प्रश्नों से पार - 24

प्रश्न 93. मेरा प्रश्न है कि मैं लाख कोशिश करती हूं कि मेरे घर में सभी मुझसे खुश रहें, संतुष्ट रहें पर पता नहीं मैं उनके मन की पूरी नहीं कर पाती हूँ और कुछ न कुछ complain हमेशा बनी ही रहती है...मैं ऐसा क्या करूँ की सभी को संतुष्ट कर पाऊँ....और जो भी कार्मिक एकाउंट है वो settle हो जाये क्योंकि इन सारी बातों से मैं बहुत disturbed feel करती हूं

➢➢ पहले स्वयं को संतुष्ट / तृप्ति कीजिये

➳ _ ➳ शायद स्वयं आत्मा के अन्दर ही अतृप्ति है

➳ _ ➳ पुरुषार्थ में स्वार्थी भव का वरदान स्वीकार कीजिये

➳ _ ➳ अवुगुनी दृष्टि का त्याग कीजिये

➳ _ ➳ दूसरों को संतुष्ट करने के लिए खुद को दुखी नहीं करना है

➳ _ ➳ यह सृष्टि रंगमंच एक खेल है

→ इसे Enjoy कीजिये

प्रश्न 94. मेरे मन में कई दिनों से बहुत ही नेगेटिव और बुरे विचार उत्पन्न हो रहे हैं...न चाहते हुए भी मन में बुरे विचार ही आते हैं...और शायद इसी वजह से घर इन हर समय दुख वाला ही माहौल बना रहता है....मैं क्या करूँ, कृपया मेरी समस्या का समाधान बताइए।

➢➢ स्वयम को बिजी कीजिये

➳ _ ➳ सबसे पहले स्थान को बदल लीजिये

→ कुछ दिन मधुबन चले जाइये

➳ _ ➳ प्रकृति के सानिध्य में जाइये

➳ _ ➳ क्लासेज सुनिए

→ नोट्स बनाइये

➳ _ ➳ दिनचर्य को बिजी कर दीजिये

→ स्थूल सेवा में बिजी हो जाइये

➳ _ ➳ श्रेष्ठ पुरुषार्थियों के संग में चले जाइये

➳ _ ➳ अछे अछे गीत सुनिए

➳ _ ➳ नकरात्मक विचारों को आग में भस्म होते हुए देखिये

प्रश्न 95. मेरी mother expire कर गयी और अब मैं और मेरा छोटा भाई अपनी बुआ के पास रहते हैं और मेरी बुआ हमें बहुत ताने मारती हैं...बुरा भला कहती रहती हैं...मुझसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं होता...please मुझे इन दुखों से छूटने के कोई उपाय बताइए।

➢➢ सहन करने से Spiritual Growth होती है... व्यक्ति महानता की और अग्रसर होता है... व्यक्तित्व का विकास होता है

➳ _ ➳ मैं सहनशीलता का अवतार हूँ - इस स्वमान में रहे

➳ _ ➳ React न करें... चुप रहे

→ React करने पर बात बडती है

→ भगवान की आज्ञा है की तुम सहन करो

→ जिसे सहन कर रहे हो... उसके प्रति –ve न हों... उसके अवगुण न देखें...

➳ _ ➳ पूर्वज आत्मा के नशे में रहो

→ और उसकी पालना करो

➳ _ ➳ निंदा के कडवे घूँट को पीने के बाद आप और ज्यादा शक्तिशाली हो जाते हैं

प्रश्न 96. हमारे घर में नियमित रूप से गीता पाठशाला चलती है, रेगुलर मुरली क्लास होती है पर ज़मीन जायदाद को लेकर घर में बहुत कलह रहता है, tension का माहौल रहता है...हम ऐसा क्या करें कि हमारे घर में शांति का माहौल बन जाये? और शांति से classes भी चलती रहें।

➢➢ स्व स्थिति को First Priority पर रखो

➳ _ ➳ अगर संभव है तो वह ज़मीन छोड़ दो... दुसरे को दे दो

→ यह झगडा आपको बेचैन कर रहा है

➳ _ ➳ इस दुनिया की सबसे कीमती चीज़ :- आपकी स्व स्थिति है

→ स्थिति की कीमत :- 1 करोड़

→ संबंधो की कीमत :- 1 लाख

→ सेवा की कीमत :- 1 हज़ार

➳ _ ➳ घर पर 21 दिन की भट्टी करो

➳ _ ➳ अपना लोभ कम कर दो

➳ _ ➳ अध्यात्म में फायदा अर्थात लोकिक में नुक्सान

→ लोकिक में फायदा अर्थात अध्यात्म में नुक्सान